NAO-009-001617 Seat No. _____

B.R.S. (Sem. VI) (CBCS) Examination

March / April – 2017

CHIN - 602 : Hindi

(Core - 19) (New Course)

Faculty Code : 009
Subject Code : 001617

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सभी प्रश्न के उत्तर सूचनानुसार दीजिए।

1 पठित रचनाओं के आधार पर कबीर के बाह्याडम्बर विरोधी स्वरूप को स्पष्ट कीजिए। **15**

अथवा

1 कबीर के जीवन–कवन पर प्रकाश डालिए। **15**

2 संतकाव्य की विशेषताएँ बताइए। **15**

अथवा

2 कबीर के राम के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए। **15**

3 निम्नांकित में से किन्हीं **तीन** ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : **15**

(1) ''दरियाव की लहर दरियाव है जी
दरियाव और लहर में भिन्न कोयम्।
उठे तो नीर है बैठे तो नीर है
कहो दूसरा किस तरह होयम्।''

(2) ''हरि गोकुल की प्रीति चलाई।
सुनहु उपंग सुत मोहि न बिरसन ब्रजवासी सुखदाई॥''

(3) ''पहिले करि परनाम नंद सों समाचार सब दीजो।
सौ वहाँ वृषभानु गोप सों जाय सकल सुधि लीजो॥''

(4) ''बागों ना जा रे ना जा, तेरी काया में गुलजार।
सहस – कँवल पर बैठ तू देखे रूप अपार॥''

(5) ''ना मैं देवल ना मैं मसजिद, ना काबे कैलास में।
ना तो कौन क्रिया – कर्म में, नहीं योग बैराग में॥''

4 भ्रमरगीत के कथानक को अपने शब्दों में लिखिए। **15**

अथवा

4 उद्धव गोपी संवाद के माध्यम से सूर ने ज्ञान पर भक्ति की विजय दिखाई है – समझाइए। **15**

5 सूर के जीवन – कवन पर प्रकाश डालिए। **10**

अथवा

5 गोपियों ने उद्धव के ज्ञानमार्ग का खण्डन किस प्रकार किया है – समझाइए। **10**